

तनु कमन म् ॥ विलुलला मरु नी ॥ थ विलुलल मस उ रु न कर्म कानि कला खा न म् या या य गु ल ४ म् ल वि ३०३
लाग १०० ल वि ध वि ध टि ॥ ल म् पा क म् म् धाय ॥ विलुलल ल म् स पा त म् या य १०३ या य स उ रु न द कि ल दि स या य ॥ थ स
उ ॥ कम न्नी स ना दि खं उ इ न म् या य ११० २ लाग १०० ल वि ॥ ल म् जी व धाय ॥ थ जी वा स न गु ल १० लाग १० ल
वि ३० ल म् वि क य १२३० धाय ॥ ल म् पा क म् ल म् वि क य उ डा दि म् न दि ग रु नी स ना पाम् १३०० न दि ग रु
न स या य ॥ थ न रु ग य क म् धाय ॥ ल ल का या दि म् न दि म् वा य वा या द कि ल दि म् रु न स १४०० स स र्ग न ॥ तं का रु ति धाय
॥ उ रु न रु न स या य ॥ या या वि स ष धाय ॥ रु ति वि स ष न ४ स र्ग न ३ स या य ४ या या स ष उ रु न क म् ४ जी म् न वा दि खं उ ४

आरागलवि॥ कूठधाय॥ रुधार्धकति २४२४ षष्ठि गुल ४० कूठवृषष्ठि ४० गुलयंठान ४४ रुधार्धकतिस ४४ कूठन
 राग ४४ रुधियटि ४४ राग ४४ षष्ठि ४० गुलन नवरागलद्विविकलाशुनी विकलाशुनी॥ रुलधाय॥ विरहलनवाभूय
 वा ४४ थ ४४ ग ४४ न ४४ याययायासउरुनकमर्षिनवादिख ४४ न आरागलवि॥ लम्माकाप्रजीवाधाय॥ ॥ लम्माकानु
 जीवास ४४ गुल ४० विकलाननन ४४ रुलसर्वषष्ठि ४० गुलविकलानन ४४ लम्माकाप्रजीवास ४४ रुलनरागकाय॥ लद्विलन
 नरुनी॥ ॥ वक्रिहामसशकाले मललवानधाय॥ वक्रिनलिहवसाधनलम्बनधाय॥ मललम्बनशकाल ४४ २
 मावाह्याघटिप्रवर्तियाय ४४ यायालम्बननिक ०० षष्ठि ४४ धनलम्बनशकालवक्रिसर्त ४४ तं दालम्बनयूत ०० षष्ठि

गुणयायया दासषष्ठिनर्थन ४र्थताशना ४ हलन ४ मधुकमया ॥ २२ २२ २२०॥ व १०३२ ३॥ नुमु १०००॥
 ३२२२॥ नुजागि २० गनाद गुणनन ४ युगलताग ४ लिफादिह नत । ह द म नु न ज सा धयत ॥ उर्ज गुण १०००॥
 ग ३२ ३१ २० ॥ म म गुली । नु गुण १०००॥ ग २ ३६०० ०२ ल द लिफादिया धा । क लि ग ता द हा ग ६० हलन लिफा दि
 ॥ म धी ॥ नु य द म न न न ॥ म धयत ॥ ह ता नि ग्र य ३ या नु य त ४ न व ना नि य त त्यादि ॥ ज्ञा ना त ०००॥ ति ॥ स्वा र्जा र्जी त्वा द्वि य
 कं व वि क ले का न ष ष्ठि का प्रा न ति ति मु वि क र्क य पू ष्ठि कं क र्म को न य त ॥ त ७ ज्ञा ना त्वा द्वा व ॥ म धय त ४ ॥ म ध उ ल न
 व ३ ॥ म ध म र्म र व ति । स य व र्वा द्वा व म ध म न ४ व न्द म ध म ॥ म ध ४ ले ष र्वा द्वा व न्द म ध म र्म र व ति ॥ ति ति म ध म र्म र मा फ ॥

सूर्यविन्दुद्वयसंख्यायः ४ माहर्तन ॥ प्रसकालकाशनी ॥ थरुलनवः ४ सूर्यविन्दुर्तन ४ वक्रयायः ४ माहकालका ॥ पूर्व
 वतक्रमः ॥ ४ समलिकाशुदियः ४ थिरुद्वयप्रकाशनी ॥ थिरुद्वयकायः ४ थवथवर्तवतवा ४ थिललवनडा
 ४ थथगद्वययः ॥ यायानथवथिरुद्वयसर्तन ४ तंठावद्वयथिरुद्वयकायः ॥ वलकायसमक्षकर्तया ००४ स ४ प्रसाथ
 लुद्वयनयायः ४ यायापर्वलाशनी ॥ ॥ मक्षकर्तया ००४ रुकोमक्षवलाशनी ॥ मक्षकर्तया ००४ स ४ माहकालकाथिरुद्वय
 र्द्वयनर्तन ४ तंठा माहकालकाशनी ॥ माहसप्रसन्नयायः ४ यायासाकलकायः ॥ ००४ सूर्यप्रसदीकोसमार्थः ॥
 प्राकप्रकृतीडा ४ पञ्चदक्षसखलनाजीकाहिः ४ विक्रपाविपनीगा ४ वक्रसूत्रादिर्तसविड ४ ॥ गगिन्यग्निदिग्नि ॥ सूक्ष्मवर्तु

मानसः ॥ दिक् १० द्वागुलयाकावः ॥ चतुर्लिङ्गाकायालदिद्यटिविद्यटिगावर्तमप्रमानकायः ॥ वंदप्रमानकातमप्रमा
 नवानायांमाकावयागर्द्धयिलुकायः ॥ यागर्द्धयिलुसः १ जर्द्ध २ वक्रिथयावक्रवावायक्रवानथागर्द्धकायः ॥ यागर्द्ध
 सूरुद्वयनयायावः ॥ लघुयासप्रमानकायः ॥ यागर्द्धसूरुद्वयननयायमदागसाप्रसमदक्षिये ॥ प्रसप्रमाननर्तिया
 कावकाः ॥ थार्तसमाउल १४ लकायालदिद्यटिविद्यटिनर्थः ॥ थार्तसयायावः ॥ लघुसूरुद्वयप्रसकायः ॥ सूरुद्वयप्रसन्नव
 दप्रमानसयायदागसाखलुप्रसरयः ॥ लघुक्रुप्रमानकायः ॥ वंदप्रमानसूरुद्वयप्रसन्नयायदागसासर्वप्रसरयः
 ॥ लघुतमाधिककायः ॥ वंदप्रमाननर्द्ध २ मायः ॥ तमप्रमानवर्द्ध २ याकावः ॥ लघुद्वयर्द्ध ००४ याया ॥ लघुवियागर्द्धकायः

सर्वप्रसूकालगुमालविद्यामर्द्धसूदननयामा (नमविमर्द्धप्रमानधाय। रूढगससथाउ १५ गुलयादावचंडप्र
 माननरागकायालद्विप्रसीगुली। (नमसमदू ६ गुलयादावचंडप्रमाननर्वरागलद्विप्रववधाय॥ शुक्रप्रमानरा १५
 गुलयादावचंडप्रमाननरागकायालद्विगुक्रुली (नम ५ गुलयादावचंडप्रमाननर्वरागलद्विगुक्रुयाववधाय
 ॥ ग्राम्गुलीवागुक्रुगुलीवानायामादावथाउ १५ प्रमानद्वयखलुप्रसूकालगुक्रुलीमाल्व ४॥ सर्वप्रसूकाल
 लतमाधिकसकाया (थाप्रसीगुलीस १५ थननर्दावग्राम्गुलीवा रूढप्रसूकालयाग्राम्गुलीउनेद्वयूरुना॥
 ॥ ॥ स्त्रियर्द्धमज्ञाहृतमिन्दूखंउखयभूयकनविखलितभू। हीनभनैयवनिज्ञातनमोहन (नमथमूक्तिश्चदिष्ट